मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 55 अंक 8 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अगस्त 2019 बहाई वर्ष : 176

विश्व न्याय मन्दिर

हर परिवेश में, अन्य लोगों को ऐसे सार्थक और उत्प्रेरक वार्तालापों में शामिल करना एक विशुद्ध आनन्द का विषय है जो, शीघ्र या क्रमिक रूप से, आध्यात्मिक संवेदनाओं को स्पंदित करने की दिशा में ले जाते हों। आस्थावान व्यक्ति के हृदय में जितनी ही प्रखर लौ प्रज्ज्वलित की जाएगी उसकी उष्मा के संसर्ग में आने वाले लोगों द्वारा महसूस की जाने वाली आकर्षण की शक्ति भी उतनी ही प्रबल होगी।

–रिज़वान 2019

कर्नाटक की स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सदस्यों के लिये मार्गदर्शक कार्यक्रम

दिव्य योजना के विभिन्न चरणों से जब हम गुजर रहे हैं तब हम धीरे–धीरे यह महसूस कर रहे हैं कि "निरन्तर प्रगति स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के विकास पर निर्भर करेगी।" अब जबकि गतिविधियाँ 16 क्लस्टर से बढ़कर 28 क्षेत्रों और पड़ोसी समुदायों में फैल गई हैं, प्रभुधर्म की प्रगति में आध्यात्मिक सभाओं का महत्व स्पष्ट होता चला जा रहा है। इन महत्वपूर्ण संस्थाओं का महत्व सन् 2017 में समझने का मौका सबसे अधिक लगा जब आध्यात्मिक सभाओं ने बहाउल्लाह की दोसौंवीं जयंती मनाई थी और हर क्षेत्र के आयोजन में वे अग्रणी रहीं थीं। क्षेत्र में सफलता का यह एक बहुत बड़ा कारण था। इस बात का ध्यान रखते हुये बाब की दोसौंवी जयंती और एक सक्रिय–सजग समुदाय के निर्माण के महत्व के विचार से प्रेरित होकर परिषद ने यह महसूस किया कि यह हमारे लिये अत्यन्त आवश्यक है कि हम स्थानीय आध्यात्मिक सभा के महत्व को समझें। इसलिये, परामर्श और मार्गदर्शन के लिये दो दिवसीय बैठक मैसूर के बहाई केन्द्र में 22 व 23 जून को आयोजित की गई।

कर्नाटक की राज्य बहाई परिषद ने बैठक में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और वह दृष्टि प्रदान की जो आने वाले महीनों में सहायक बनेगी। साल–दर–साल हम देख रहे हैं कि स्थानीय आध्यात्मिक सभायें सुदृढ़ हो रही हैं और अधिक–से–अधिक जिम्मेदारियाँ लेने लगी हैं। आध्यात्मिक सभा का सदस्य होना, वास्तव में एक बड़ा आशीष है; साथ ही एक बड़ा दायित्व भी। बहाउल्लाह आध्यात्मिक सभा के सदस्यों के सम्बन्ध में कहते हैं कि "उनके लिये यह आवश्यक है कि मनुष्यों के बीच वे दयालु ईश्वर के विश्वासपात्र बनें और स्वयं को उन सब के लिये ईश्वर द्वारा नियुक्त संरक्षक समझें जो धरती पर निवास करते हैं।"

दो दिन की बैठक के दौरान मित्रों ने कार्यशालाओं में भाग लिया और इन बिन्दुओं पर विचार किया – क्या मैं अपनी जिम्मेदारियों के प्रति ईमानदार रह रहा हूँ ? क्या मैं वास्तव में दयालु ईश्वर का विश्वासपात्र हूँ ? धरती पर निवास करने वाले लोगों के लिये ईश्वर द्वारा नियुक्त संरक्षक का क्या अर्थ है ? बहाउल्लाह मुझसे जो उम्मीद करते हैं उसके प्रति क्या मैं ईमानदार हूँ ? हम ऐसा क्या करें कि हमारी आध्यात्मिक सभा पावनता की सुरभि सभी ओर फैला सके ? किस प्रकार आध्यात्मिक सभा से हर दिशा में जीवन की चेतना लहरायेगी ? उत्तर के लिये जब हम अपने अंदर झाँक कर देखें तो हम सब कुछ भूल जायें, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य के रूप में सेवा को अपने जीवन का अनुराग बन जाने दें। दिन–रात हम इस पर विचार करें कि इस आवश्यक और महत्वपूर्ण संस्था के सदस्य के रूप में अपनी सेवायें किस प्रकार दे सकते हैं ? आइये, बहाउल्लाह के इन शब्दों को हम याद कर लें "अगर हम 'उसे' पाना चाहते हैं तो श्रम की आवश्यकता है, अगर हम 'उससे' पुनर्मिलन के मधुपान की आकांक्षा रखते हैं तो ज़रूरत है उत्साह की और अगर हम इस पात्र से पान करें तो इस संसार को त्याग देंगे।"

इस दो दिवसीय बैठक में 56 मित्र शामिल हुये, जिनमें दो सहायक मण्डल सदस्य, राज्य बहाई परिषद के 4 सदस्य और 16 बच्चे भी थे।

इस अंक में

मध्यप्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

• किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम की लर्निंग साईट द्वारा शहरी क्लस्टरों के लिए 8 से 18 मई 2019 तक एक सेमीनार आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य विकास के दूसरे मील के पत्थर से तीसरे मील के पत्थर की ओर अग्रसर क्लस्टरों में बड़ी संख्या में किशोरों को कार्यक्रम में शामिल करना सीखना था। इस तरह क्लस्टर में 50 से 100 किशोरों को कार्यक्रम से जोड़ा जाये। समूहों को नियमित और गुणवत्तापूर्ण कैसे बनाया जाये। इसी तरह 100 से 500 और 500 से अधिक किशोरों को किस तरह समूहों में प्रवेश देकर पूरे तीन वर्षों तक उनके साथ–साथ चलकर उन्हें आध्यात्मिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाया जाये और उनके माध्यम से समुदाय की सेवा सुनिश्चित की जाये।



भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

इस 11 दिवसीय सेमीनार में भोपाल शहरी क्लस्टर से 4 मित्र शामिल हुए। सेमीनार के प्रथम 6 दिनों तक दिल्ली शहर के विभिन्न समुदायों में छोटे–छोटे दल बनाकर घरों में भ्रमण किया गया। प्रतिभागी दिन में 'प्रारूप' प्रपत्र का अध्ययन करते थे और शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक समुदायों में भ्रमण करके 17 मई से आयोजित होने वाले संस्थान अभियान के लिए युवाओं से वार्तालाप करते और उनके पंजीकरण फॉर्म भरवाते। इस तरह प्रतिभागी विभिन्न शहरी क्लस्टरों से आये मित्रों के अनुभवों से यह सीखने का प्रयास करते कि किस



स्कीम नम्बर 113 में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

सेमीनार के अंतिम 3 दिनों में विभिन्न शहरी क्लस्टरों से आये मित्रों ने अपने–अपने क्लस्टरों के लिए 'सघन गतिविधि के केन्द्रों' में अधिक संख्या में युवाओं से वार्तालाप करके उन्हें अनुप्रेरक प्रशिक्षण के लिए तैयार करने और बड़ी संख्या में किशोरों को कार्यक्रम में शामिल करने की योजना बनाई। भोपाल क्लस्टर के दो 'सघन केन्द्रों' इन्द्रपुरी और पडरिया के लिए योजना बनाई गई व इसी योजना को पूरा करने के लिए इन्द्रपुरी

शेष पृष्ठ 3 पर

जमशेदपुर में औपचारीकरण से संबंधित दो दिवसीय संस्थागत बैठक सम्पन्न

जमशेदपुर के बहाई केन्द्र में 7 एवं 8 जून 2019 को दो दिवसीय संस्थागत बैठक का आयोजन प्रशिक्षण संस्थान मंडल झारखंड द्वारा किया गया। इस बैठक में हिन्दी पूर्व क्षेत्र टीम के सदस्य श्री अभिनंदन शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस बैठक में प्रशिक्षण संस्थान के सदस्य, परिषद के सदस्य, सहायक मंडल सदस्य, राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी तथा जमशेदपुर की सीआईटी को मिलाकर कुल 19 मित्रों ने भाग लिया। प्रथम दिन बैठक का आरम्भ प्रार्थनाओं एवं निगूढ़ वचन के अध्ययन से हुआ। उसके उपरांत श्री अभिनंदन शर्मा ने उपस्थित होने का उद्देश्य बताया। साथ ही, उन्होंने हिन्दी पूर्व क्षेत्र टीम के बारे में बताया। यह टीम अभी पांच राज्यों के साथ कार्य कर रही है जिसमें, झारखंड, बिहार, ओड़िशा, असम, अंडमान शामिल हैं। इसके बाद कुछ विषय तैयार किये गये जिसके आधार पर दो दिनों का कार्यक्रम आधारित था।

इसके बाद मोनिका एव नाभिक की अवधारणा को समझते हुए मूल्यांकन किया गया कि बिरसानगर समुदाय में मोनिका–2 तथा नाभिक–8 है। इसी तरह कदमा समुदाय में मोनिका–2 तथा नाभिक–10 हैं।

इसके बाद मित्रों ने जाना की जमशेदपुर की कुल आबादी 13.4 लाख है, जिसमें लगभग 800 बहाई निवास कर रहे हैं। लगभग 35 बहाई परिवार हैं। दान देने वालों की संख्या करीब 20 है तथा समय समय पर अधिक से अधिक मित्रों को प्रेरित करने के लिए कोष सम्मेलन का आयोजन परिषद द्वारा किया जाता है, जिसमें परिपत्रों, उद्धरण एवं कहानी के माध्यम से दृढ़ किया जाता है।

इसके बाद श्री अभिनंदन शर्मा द्वारा असम का अनुभव साझा किया गया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे हाल ही के दिनों में वहाँ परिवारों का एक सम्मेलन किया गया था, जिसमें सभी उम्र के प्रतिभागी शामिल थे, स्त्री–पुरुष की सामान भागीदारी थी। रोचक बात यह थी कि उस सम्मलेन की संपूर्ण जिम्मेदारी उस गाँव ने उठाई थी।

अगले दिन बहाई बच्चों की शिक्षा का औपचारीकरण से सम्बंधित 8 अप्रैल 2018 के कुछ चुने हुए अंशो का अध्ययन किया गया, जिसमें जाना गया कि पूरे भारत में लगभग 3,000 बच्चों की कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं, जिसमें 30,000 से अधिक बच्चे भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम लगभग 545 क्लस्टरों में है, जिसमें से करीब 35 क्लस्टरों ने 20 या उससे अधिक की कक्षाओं में 200 से अधिक बच्चों को सतत बनाये रखा है। हमने इसी अंतराल में जाना की जब आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों की संख्या में वृद्धि होती है तो उसे औपचारिक करना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। बच्चों को आयु के आधार पर बाँटना, वार्षिक समय सारणी तैयार करना, बच्चों के त्योहार, अच्छी संख्या में शिक्षकों का उपलब्ध होना, एक वार्षिक कैलेण्डर बनाना जो जनसमुदाय से सम्बंधित हो जैसे वर्ष में कक्षायें कब आरंभ होंगी, कब उसका समापन होगा, शिक्षकों की समीक्षा बैठक, उत्सव में भाग लेना, सेवा कार्य, उन्नीस दिवसीय सहभोज, समीक्षा बैठक इत्यादि।

इसी प्रकार आसनबनी एवं पटमदा के गाँव के बारे में बातचीत की गयी की कैसे उन गाँव में भी औपचारीकरण की प्रक्रिया स्थापित की जाये।

पायनीयर का अवसर

नगालैंड के दिमापुर में पायनीयर की आवश्यकता है जो भी मित्र पायनीयर के रूप में अपनी सेवा देने का इच्छुक है वह असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड की क्षेत्रीय बहाई परिषद से rbcassam@ibnc.in पर संपर्क करे।

बिहार में स्थानीय आध्यात्मिक सभा के साथ उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न

बिहार के खगड़िया उपक्षेत्रान्तर्गत वर्ष 2019–20 के लिए गठित स्थानीय आध्यात्मिक सभा हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन बिहार की राज्य बहाई परिषद द्वारा 22 और 23 जून, 2019 को स्थानीय बहाई केन्द्र, खटहा–गौछारी में किया गया, जिसमें पंचवीर एवं अलौली के अलावा शेष खगड़िया, मथुरापुर, दक्षिणी भदास, बड़ी कोठिया, पसराहा, शेरचकला, गौछारी, हरिणमार, हथवन, रौन, चेराखेरा, बेलदौर, छिलकौरी, सकरपुरा, बभनगामा, साहेबपुर क़माल के साथ–साथ उत्तरी एवं दक्षिणी ज़मालपुर स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिव एवं कोषाध्यक्ष ने भाग लिया।

परिषद सदस्य, श्री रान्टो कुमार के संचालन में बैठक की शुरूआत प्रार्थना, परिचय एवं स्वागत सभा की भव्यता एवं महानता, सभाओं के उद्देश्य, कार्य एवं भूमिका, अनुयायियों के साथ संबंध, प्रशासनिक एवं आध्यात्मिक विकास के मध्य सामंजस्य, वर्तमान पांच वर्षीय योजना में स्थानीय सभा की भूमिका, जीवन्त समुदाय का निर्माण, दिव्यात्मा बाब की 200वीं जयंती, परामर्श, कोष आदि पर तैयार अध्ययन सामग्री का अध्ययन किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्व न्याय मन्दिर के 29 दिसम्बर 2015 तथा 28 दिसम्बर 2010 के चिह्नित अनुच्छेदों का भी अध्ययन किया गया ताकि मित्रों को यह समझने में मदद मिल सके कि बहाउल्लाह की इस विश्व–व्यवस्था को आगे ले जाने में उनका दायित्व क्या है?

ज्ञातव्य हो कि अध्ययनोपरांत उपस्थित प्रतिभागियों ने छः दल में विभक्त होकर समुदाय निर्माण की



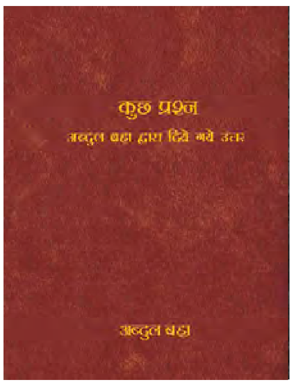
स्थानीय आध्यात्मिक सभा के साथ हुई बैठक के प्रतिभागी

उद्‌बोधन के साथ की गई। तत्पश्चात परिषद सचिव के मार्गदर्शनोपरांत उपस्थित स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिव एवं कोषाध्यक्षों ने बारी–बारी से अपनी सभा की अद्यतन स्थिति से मित्रों को अवगत कराया कि वाकई में वह कैसे अपनी सभा की नियमित बैठकें, 19 दिवसीय सहभोज; महोत्सव, बहाई विवाह; चुनाव एवं शिक्षण कार्य, कोष संवर्द्धन के साथ–साथ शैक्षणिक एवं समुदाय निर्माण की प्रक्रियान्तर्गत संचालित मूल–गतिविधियों में अपना योगदान सुनिश्चित करते हैं। विदित हो कि हथवन, अलौली, मथुरापुर, गोपालपुर एवं गौछारी आदि कुछ स्थानीय आध्यात्मिक सभा सशक्त एवं सीखने की प्रक्रिया में आगे हैं।

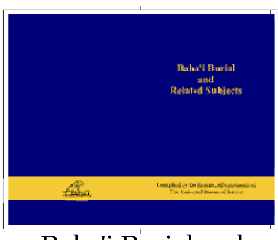
बैठक के दौरान उपस्थित सहायक मंडल सदस्य, श्री अभिनन्दन शर्मा ने बहाई प्रशासनिक व्यवस्था, निर्वाचित एवं मनोनीत संस्था, स्थानीय आध्यात्मिक सभा के कार्यों की प्रकृति आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी, तद्‌नोपरांत स्थानीय आध्यात्मिक प्रक्रिया को गतिज़ता प्रदान करने हेतु खटहा, गौछारी, गोपालपुर एवं विजयनगर समुदाय के बारह नये घरों में जाकर 145 जिज्ञासु मित्रों को प्रभुधर्म का शिक्षण दिया तथा उनके घर प्रार्थना सभा की शुरूआत की। इस कालखंड में 1 घोषणा–पत्र भी प्राप्त हुआ तथा कुछ नये बहाई बाल कक्षा एवं किशोर समूह कक्षा की संभावनाएँ भी दृष्टिगोचर हुईं।

उन्मुखीकरण के द्वितीय दिन उक्त गृह–भ्रमण कार्य की समीक्षा की गई। समीक्षोपरांत कोष–संवर्द्धन पर चर्चा की गई तथा स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सचिवों द्वारा अपनी सभा की नियमित बैठकें, 19 दिवसीय सहभोज, दिव्यात्मा बाब की 200वीं जयंती, कोष संवर्द्धन, ग्रुप ऑफ़ फैमिली तैयार करने, प्रत्येक समुदाय में शिक्षण हेतु कार्य–दल गठित करने के साथ–साथ वर्तमान पाँच वर्षीय योजना में योगदान देने से संबद्ध योजनाएँ विनिर्मित की गईं। अंत में विनिर्मित योजना की प्रस्तुति, समापन प्रार्थना तथा धन्यवादज्ञापन के उपरांत बैठक समाप्त की गई।

नव प्रकाशित पुस्तक



प्रिय मित्रों, हमें आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि **कुछ प्रश्न अब्दुल बहा द्वारा दिये गये उत्तर** (हिन्दी) का नया अनुवादित/संशोधित संस्करण उपलब्ध है। इस पुस्तक में 395 पृष्ठ हैं और इसका मूल्य 200/– रुपये है।

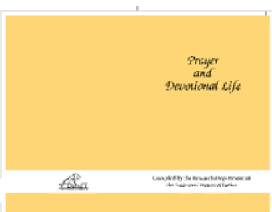


Baha'i Burial and Related Subjects

प्रत्येक का मूल्य 25/– रुपये

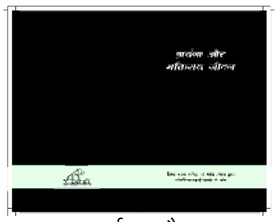


बहाई अंत्येष्टि–क्रिया के विधान तथा सम्बन्धित विषय



Prayer and Devotional Life

प्रत्येक का मूल्य 30/– रुपये



प्रार्थना और भक्तिमय जीवन

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

बहाई लिटरेचर एण्ड पब्लिकेशन ट्रस्ट

एफ–3/6, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस–1 नई दिल्ली – 110020

फोन : 91–11–40523382–84, ईमेल : bptindia@ibnc.in

वेबसाइट : www.bahaipublishingtrust.in

मध्यप्रदेश में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

समुदाय में 20 मई 2019 से शिक्षण अभियान प्रारंभ किया गया और युवाओं से वार्तालाप कर उन्हें रूही पुस्तक–1 व 5 के अध्ययन के लिए तैयार किया।

वर्तमान में रूही पुस्तक–1 की समाप्ति के बाद रूही पुस्तक–5 का प्रशिक्षण चल रहा है जिसमें 7 युवा प्रतिभागी शामिल है जो रूही पुस्तक–5 की दूसरी इकाई का अध्ययन कर रहे हैं।

गतिविधियों पर विस्तार से परामर्श किया गया। साथ ही, नई कक्षाओं, प्रार्थना सभाओं की संख्या बढ़ाने पर, कार्यक्रम में नये किशोरों और अभिभावकों को शामिल करने की योजना बनाई गयी।

• 18 जून 2019 को स्कीम नम्बर 113 क्षेत्र में बच्चों, किशोरों एवं युवाओं की माताओं के साथ एक दिवसीय दृढ़ीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें



स्कीम नम्बर 113 में आयोजित दृढ़ीकरण कार्यक्रम के प्रतिभागी

• इन्दौर समुदाय के स्कीम नम्बर 113 क्षेत्र में 15 जून 2019 को एक बड़े स्तर पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया जिसमें 56 मित्रों ने भाग लिया, बैठक में यहां पर चलाई जा रही प्रभुधर्म की उनके बच्चों को सिखाये जाने वाले महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर परामर्श किया गया। साथ ही, बच्चों को सिखाने में माताओं की कितनी बड़ी भूमिका होती है इस विषय पर चर्चायें की गईं।

बहाई विवाह



मध्य प्रदेश के खासाराम का पुरा जिला मुरैना के श्री रिंकू कुशवाह और गिरवरसिंह का पुरा जिला मुरैना की सुश्री रीना का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा कनकटपुरा (करोला) के तत्वावधान में बहाई विधि विधान के अनुसार 17 जून, 2019 को ग्राम गिरवर का पुरा जिला मुरैना में सम्पन्न हुआ।



मध्य प्रदेश ब्रह्म का पुरा जिला ग्वालियर के श्री राजवीर सिंह पाल और ग्वालियर की सुश्री ज्योति बघेल का विवाह बहाई विधि विधान के अनुसार 16 जून, 2019 को ग्वालियर में सम्पन्न हुआ, जिसे सहायक मण्डल सदस्य श्री दिनेश कुशवाह एवं राज्य बहाई परिषद सदस्य श्री पातीराम नरवरिया द्वारा सम्पन्न कराया गया।



श्री संजीब बोरो और सुश्री स्मितिरेखा बोरो का विवाह 27 अप्रैल, 2019 को बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.

Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2018-19-20

असम के नावकाटा में परिवारोत्सव

एक सक्रिय समुदाय के निर्माण की दिशा में कालबरी के नाभकीय क्षेत्र ने पिछले कुछ वर्षों में असाधारण प्रोत्साहन और उत्साह का प्रदर्शन किया है। सभी युवाओं, उम्रदराज लोगों, बच्चों और उनके माता–पिता को साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति उनके प्रत्येक कार्य में देखी जा सकती है। मई के आखिरी सप्ताह में कालबरी गाँव के युवाओं ने नावकाटा के कोर–ग्रुप के सहयोग से एक परिवारोत्सव की तैयारी शुरू कर दी थी, जिसका आयोजन 2 जून को करना निश्चित हुआ।

कालबेरी के मित्रगण अपने परिवारों के साथ उत्सव के स्थान पर पहुँचने लगे और बच्चों तथा युवाओं द्वारा प्रस्तुत प्रार्थनाओं में शामिल हुये। कार्यक्रम की विधिवत रही है। एक छोटे से संकलन का अध्ययन और उस पर परामर्श ने बच्चों की नैतिक शिक्षा और सामूहिक प्रार्थना के महत्व को और भी स्पष्ट किया। पाठ्य–सामग्री में दिये गये कुछ केन्द्रीय विषयों पर लम्बे विचार–विमर्श ने इस उत्सव को और भी उपयोगी बना दिया तथा व्यक्ति और समुदाय के जीवन पर प्रार्थनाओं के प्रभाव को लोगों ने बेहतर ढंग से समझा। उन्होंने महसूस किया कि पूरा समुदाय जब ऐसी गतिविधियों को अपनाने पर विचार करेगा और उनका स्वामित्व ग्रहण करेगा तब ही सुफल देखने को मिलेंगे।

बच्चों और किशोरों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनन्द परिवारों ने उठाया।



नावकाटा में आयोजित परिवारोत्सव में भाग लेने वाले मित्रगण

शुरूआत सहायक मंडल सदस्य के सम्बोधन से हुई, जिसमें उपस्थित लोगों को यह स्पष्ट हो पाया कि इस परिवारोत्सव का मूल उद्देश्य उस सामूहिक चेतना को जगाना है जिससे समुदाय के अंदर परिवर्तन आये और आध्यात्मिक तथा भौतिक रूप से समुदाय सुदृढ़ बन सके। परिवारों ने अपनी भूमिका पर विचार किया और इस नतीजे पर वे पहुँचे कि एक बेहतर समाज के निर्माण के लिये बच्चों की नैतिक और भौतिक शिक्षा पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। तब ही सम्पूर्ण समुदाय की एक नई तस्वीर उभर कर सामने आ सकती है। ऐसे विचार ने सामूहिक प्रार्थना के महत्व को और भी समझने में मदद की, क्योंकि यह उस संस्कृति को उजागर करेगा जो गाँव की जमीन से जुड़ी है, लेकिन भौतिकवाद के बढ़ने से लुप्तप्राय होती चली जा

इस परिवारोत्सव का परिणाम यह निकला कि क्षेत्र के नाभकीय दल ने उत्सव के तुरंत बाद अपनी बैठक में यह निर्णय लिया कि दल के सभी सदस्य हर सुबह प्रार्थना के लिये एक स्थान पर एकत्र होंगे और प्रार्थनाओं के बाद बीते कल की गतिविधियों पर चर्चा करेंगे। गाँव में इसकी सराहना होनी शुरू हो गई है और लोग इसकी चर्चा कर प्रार्थना में शामिल होने लगे हैं। क्षेत्र के कुछ स्थानों में प्रार्थना सभाओं की संख्या बढ़ाकर क्षेत्र को संतृप्त करने की उनकी योजना है। प्रार्थनाओं के बाद हुये विचार–विमर्श में यह तय किया गया कि वे युवाओं से सम्पर्क कर उन्हें विकास–प्रक्रिया में शामिल करेंगे। अंततः उन युवाओं को सेवा के क्षेत्र में आने के लिये प्रेरित करने की योजना है।

बाब का शहीदी दिवस मनाया गया



बाब के शहीदी दिवस पर महाराष्ट्र के कल्याण, भिवंडी और उल्लासनगर में 10 जुलाई, 2019 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'बाब द गेट' फिल्म का प्रदर्शन किया गया। बाब के इतिहास के बारे में मित्रों को बताया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थनायें की गईं।

बहाई विश्व केन्द्र में सेवा के अवसर

जैसे–जैसे दुनिया के हर भाग में प्रभुधर्म के कार्य फैलते जा रहे हैं वैसे–वैसे बहाई विश्व केन्द्र की प्रभावशाली कार्यविधि का महत्व बढ़ता जा रहा है। प्रभुधर्म के विश्व केन्द्र का वर्णन शोगी एफेंदी द्वारा कुछ इन शब्दों में किया गया है : विश्व केन्द्र "नई विश्व व्यवस्था की एजेंसियों की धुरी है," यह विविध देशों से आये अनुयायियों के निरन्तर प्रवाह से सम्बलित है, जो निःस्वार्थ भाव से सेवा की एक निश्चित अवधि के लिये आते हैं, जो अवधि भिन्न–भिन्न हुआ करती है। विश्व केन्द्र में स्टॉफ की ज़रूरत विभिन्न कामों के लिये होती है, जो उपलब्ध संसाधनों और बढ़ती हुई ज़रूरतों के आधार पर निर्भर करते हैं। किसी ख़ास समय में सुयोग्य और प्रशिक्षित व्यक्तियों की ज़रूरत होती है। तो किसी अन्य समय में सामान्य काम–काज के लिये ज़रूरत होती है। विश्व केन्द्र में सेवा की प्रकृति के कारण 12 महीने या अधिक समय के लिये यह ज़रूरत पड़ती है। इच्छुक व्यक्ति को अंग्रेजी का ज्ञान होना चाहिये।

सेवा देने के इच्छुक किसी भी मित्र को इस बात के लिये प्रोत्साहित किया जाता है कि वह सीधे तौर पर अपना आवेदन https:/bahai.bwc.org/service/ पर भेज कर कार्मिक विभाग से सम्पर्क करे।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2018-19-20
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2018-19-20
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.8. 2019
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा
श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)